



गानेवाली गुड़िया

गानेवाली गूड़ियां

लेखक : छाड रइ

चित्रकार : शाड रयु



डॉलफिन प्रकाशन

पेइचिड

प्रथम संस्करण 1989

ISBN 7-80051-461-7

प्रकाशक : डॉलफिन प्रकाशन

24 पाएवानच्वाङ मार्ग, पेइचिङ

वितरक : चीन अंतरराष्ट्रीय पुस्तक व्यापार निगम

पो. आ. बाक्स 399, पेइचिङ

चीन लोक गणराज्य में मुद्रित

उसका कोई खरीदार नहीं है।



इस गुड़िया का नाम छाओई है।



एक ने उसे उठा कर फौरन वापस रख दिया।



एक चाचा जी ने उसे उठा लिया।



अपने कारखाने ले जाकर कैंची निकाली।



गुड़िया की पीठ काटी ।



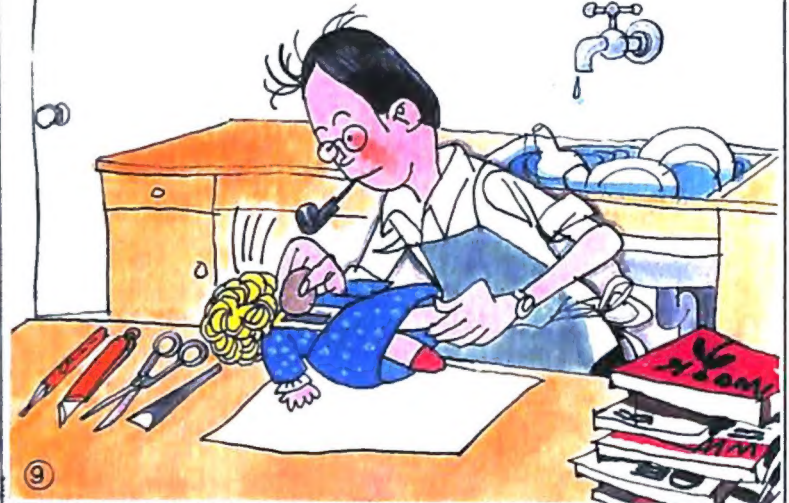
उसमें एक नन्हा टेप-रिकार्डर
जमा दिया ।



उसे एक जिप से ढक दिया ।



रिकार्डर में टेप लगाया ।



अब छाओई गाने लगी ।



चाचा जी उसे वापस दूकान ले आए ।







सबने छाओई का गाना सुना ।



छाओई ने अनेक गाने गाए ।



कमाल है, बहुत सुंदर गाती है ।





सारे खिलौनों को अच्छी तरह देखा ।



(27)



(28)

फिर सहसा रोने लग गई ।

अरे ! इसे क्या हुआ ?



(29)

टोप उल्टा लग गया था ।

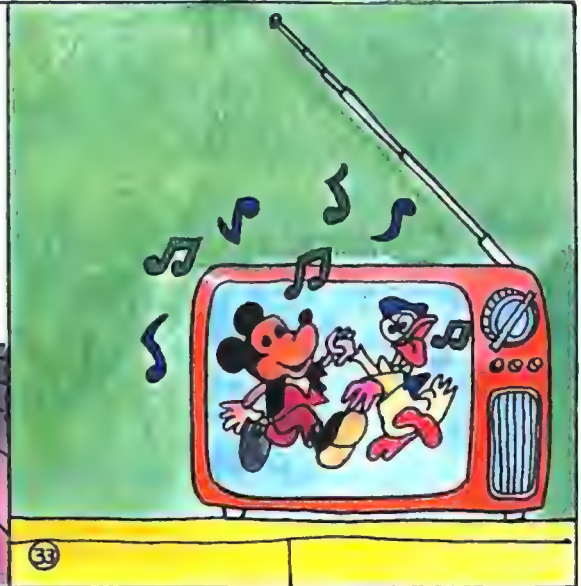


(30)



(31)

इस बार वह ठीक गाने लगी ।



छाओई अन्य खिलौनों
के साथ बाहर निकली ।

छाओई स्टेशन ।



वे सब टी. वी. स्टेशन
की ओर जा रहे थे ।



खिलौनों ने अपने आने का कारण बताया ।

आप का स्वागत है ।



कार्यक्रम-प्रसारण
शुरू हो गया।

ठीक, मैं आपकी राय से
सहमत हूँ।



चिम्पांजी बोला, "बहुत कम दर्शक हैं।"

सबका उत्साह ठंडा पड़ गया।



छात्रोई ने सुझाया, "हम
थियेटर में कार्यक्रम क्यों न दें?"



खिलौनों ने मेक-अप शुरू किया ।



छात्रों ने एक गाना गाया ।



अचानक गाना क्यों रुक गया ?





किसी ने रिस्टवाच की बैटरी दे दी



छाग्रोई का गाना फिर से शुरू हो गया।



दूसरा प्रोग्राम बैंड का था।



यह प्रोग्राम सफल रहा ।



रातोंरात वे प्रसिद्ध हो गए ।



टी. वी. स्टेशन से
वीडियो फिल्म बनाने
का फोन आया ।



कठपुतली-संस्थान से
भी निमंत्रण मिला ।



अनेक बालकों ने पत्र लिखे ।



इतने फोन और पत्रों से उसका
 63 सर चकरा उठा।



कोई तुमसे मिलने
 आए हैं।



वे नर्सरी के बच्चे थे।



मुझे टी. वी. स्टेशन
 जाना है।



मैं अब प्रसिद्ध अभिनेत्री हूँ।
 इन बच्चों से क्या मिलूंगी।



छाओई, छाओई।



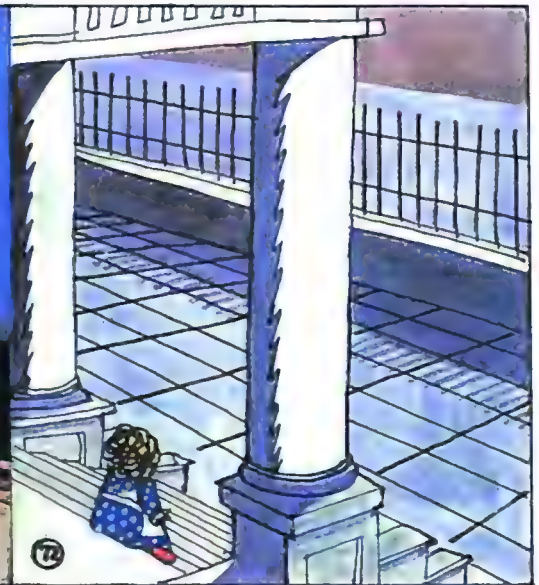
छात्रोई पार्क में क्रीडा
कर रही थी ।

१०

अरे, टी. बी. स्टेशन
जाना तो भूल ही गई ।



टी. बी. स्टेशन है कहां ?



११



मुझे लड़-लड़ का घर
नहीं छोड़ना था ।



वह अकेले में डर रही थी ।

वह एक बिल्डिंग में घुस गई।



एक कोने में सो गई।



अरे, यह तो गाने वाली
गुड़िया है।



चूहे देखकर और
भी डर गई।



चलो उसके पांव
गुदगुदाएं।

उसकी नाक कुतर लें।



छाओई ने एक टेप निकाला ।



और स्वयं में फिट कर लिया ।



म्याऊं ...

म्याऊं !



यह बिल्ली कहां बोल रही है ?



म्याऊं !

अरे, तुम ? कहां थीं ?



लइ-लइ आवाज सुन कर तुरन्त बाहर निकल आई ।



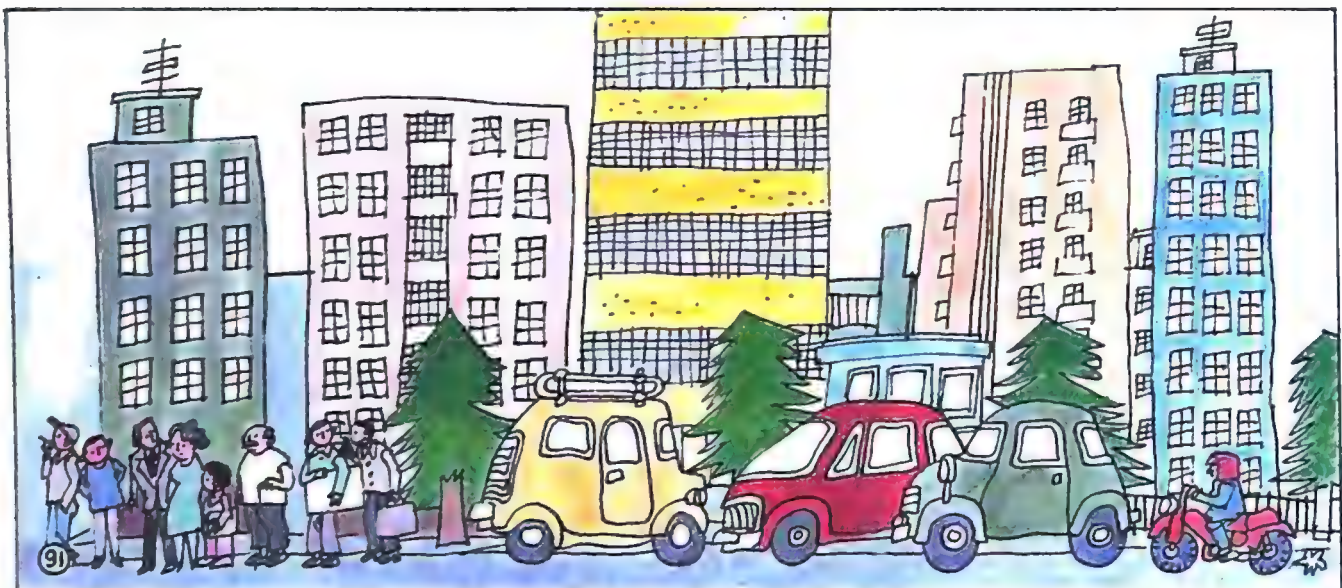
छाओई मौन रही ।

दूसरे खिलौने कहां हैं ?



दूसरे दिन लइ-लइ छाओई
को थियेटर ले गई ।





टी. वी. स्टेशन और
थियेटर के अधिकारी
आ पहुंचे ।



95

छाओई थियेटर
में रहेगी ।

नहीं, वह टी. वी.
स्टेशन जाएगी ।



96

नहीं, मैं कहीं नहीं
जाऊंगी । मैं तो
नर्सरी जाऊंगी ।



97

कार नर्सरी की ओर
रवाना हुई ।



98

रास्ते में एक व्यक्ति ने
कार रोकी ।



99

इसीने छाग्रोई के गरीर में टेप फिट किया था ।



छाग्रोई ने पूरी बात सुनाई ।



मैं तुम्हारा टेप निकालने के लिए आया हूँ ।



क्योंकि प्रसिद्ध बनकर तुम दूसरे बच्चों को तुच्छ समझने लगी हो ।



चाचा जी, मैं अपनी भूल समझ गई ।



कार अब नर्सरी जा पहुंची ।

नर्सरी के बच्चे उसके
स्वागत में कतार बांध
कर खड़े हो गए।



बाकी खिलौने भी पास आ गए ।



छात्रोई, बच्चों को
कोई गीत सुनाओ ।



छायाई ने अनेक गीत गाए ।



(110)



(111)



(112) गाने के बाद दूसरे बच्चों के साथ मिलकर नाची भी ।



(113)

सबने छायाई की
भूरि-भूरि प्रशंसा की ।



(114)



会唱歌的布娃娃

常 珊 编
尚士永 绘

•

海豚出版社出版
(中国北京百万庄路24号)

二二〇七厂印刷

中国国际图书贸易总公司

(中国国际书店) 发行

北京399信箱

1989年(16开)第一版

(印地)

ISBN 7-80051-461-7/J·612 (外)

00250

88-H-395P